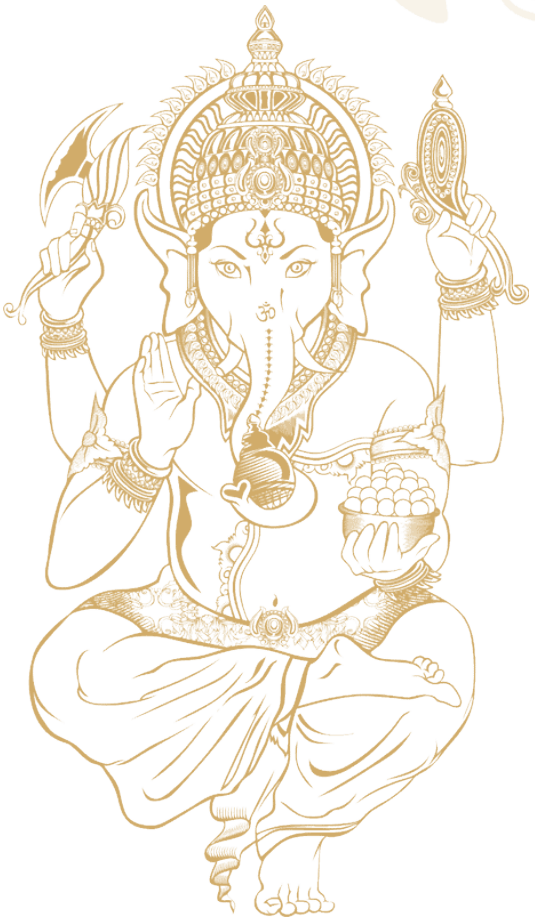

Mr.
Ashmi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121517407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/10/2000	जन्म तिथि	15/11/2003
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	12:53:00 घंटे
घटी 20:00:20	जन्म समय(घटी)	15:18:05 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Karnal
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:52	सूर्योदय	06:46:16
17:39:37	सूर्यास्त	17:26:48
23:51:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:26

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 0मा 30दि		02:48:06	कुंभ		लग्न		मक	26:53:24	शनि 13वर्ष 10मा 28दि	
राहु		08:23:15	तुला		सूर्य		तुला	28:35:46	बुध	
25/11/2014		13:53:22	कन्या		चंद्र		कर्क	06:54:15	13/10/2017	
24/11/2032		00:08:02	कन्या		मंगल		कुंभ	19:29:38	13/10/2034	
राहु	07/08/2017	18:40:20	तुला	व	बुध		वृश्चि	10:39:53	बुध	11/03/2020
गुरु	01/01/2020	16:16:10	वृष	व	गुरु		सिंह	21:20:08	केतु	08/03/2021
शनि	07/11/2022	13:33:02	वृश्चि		शुक्र		वृश्चि	21:30:39	शुक्र	07/01/2024
बुध	26/05/2025	05:33:30	वृष	व	शनि	व	मिथु	18:57:09	सूर्य	12/11/2024
केतु	13/06/2026	25:03:29	मिथु	व	राहु	व	मेष	26:32:09	चन्द्र	14/04/2026
शुक्र	13/06/2029	25:03:29	धनु	व	केतु	व	तुला	26:32:09	मंगल	11/04/2027
सूर्य	08/05/2030	23:01:56	मक	व	हर्ष		कुंभ	05:00:27	राहु	28/10/2029
चन्द्र	07/11/2031	09:57:13	मक		नेप		मक	16:38:44	गुरु	03/02/2032
मंगल	24/11/2032	17:24:31	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	24:51:16	शनि	13/10/2034

लग्न-चलित

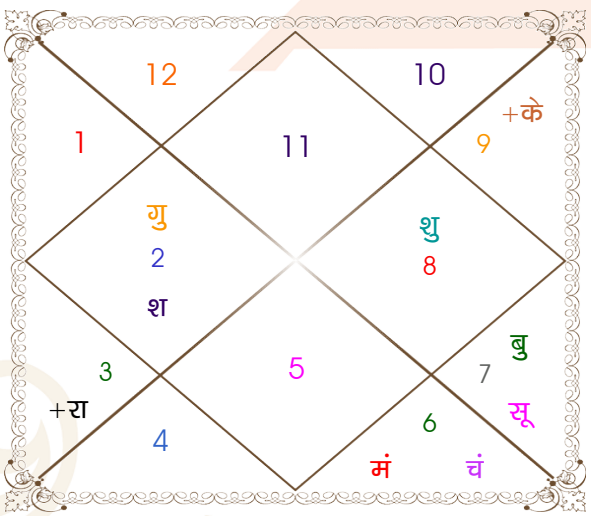

लग्न-चलित

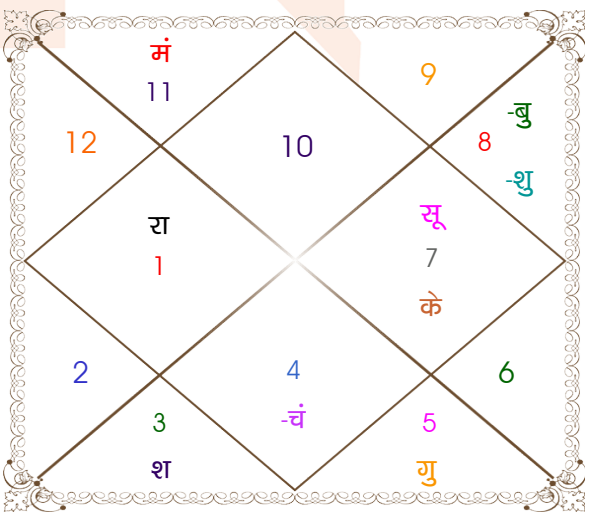

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ashmi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ashmi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ashmi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ashmi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ashmi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।